Nami®

Bispyribac sodium 10% w/v SC

(Systemic Herbicide)

Bispyribac sodium 10% SC is a post emergence herbicides effective against grasses, sedges and broad leaf weeds of rice crop.

Recommendation

Crop (s)	Common Name of Pest	Dosage / HA A.I. (gm)	Formulation (ml)	Dilution in Water (Litre)	Waiting Period from last spray to harvest (in days)	Re-entry after each Application (in Hours)
Rice (Nursery)	Echinochloa crusgalli, Echinochloa colonum, Ischaemum rugosum, Cyperus difformis, cyperusiria Fimbristylis miliacca, Eclipta alba, Ludwigia parviflora, Monochoria vaginalis, Alternanthera philoxeroides, Sphenoclcea zeylenica	20	200	300	waiting period has been redundant as period bet ween spray and harvest hasbeen >78 days	
Rice (Transplanted)		20-25	200-250	300		
Rice (Directseeded)		20-25	200-250	300		

Direction of Use : Direction for use: Shake the bottle before use. Measure out requisite quantity of the herbicides and mix it well with small quantity of water. Add the remaining quantity of water specified with thorough agitation Application method: Prior to herbicides application the field should be drained. Field should be re-flooded within one day after application and water should be maintained at least for 10 days post application. Spraying Instruction: Spray uniformly in the direction of wind. Ensure thorough coverage of the weeds.

Time of Application: Nursery/ Transplanted :The optimum time of the application is 10-12 days after sowing for nursery rice and 10-14 days after planting for transplanted Rice when the most of the weeds have already emerged and are of 3-4 leaf stage depending upon soil and climatic factors. Direct Seed Rice: for direct seed rice the time of application is 15-25 days after sowing. Plant Protection Equipment: High volune sprayer viz., Knapsack sprayer fitted with flat fan flood jet nozzle is recommended.

Precaution : 1. Keep away from food and feedstuff. 2. Avoid contact with eyes and skin. 3. Avoid inhalation of the spray mist. 4. Wash thoroughly the contaminated clothes and parts of the body after spraying. 5.Do not smoke, drink eat and chew anything while spraying.

Symptoms Of Poisoning : Weakness, vomiting, salivation and diarrhea.

First Aid :1. If swallowed, induce vomiting by tickling the back of throat. Do not induce vomiting if the patient is unconscious. 2. If clothing and skin are contaminated, remove the cloths and wash the contaminate skin with copious amount of soap and water. 3. If eyes are contaminated, flush with plenty of water for about 10 to 15 minutes. 4. If, inhaled, remove the patient to fresh air. If not breathing, clear the airway and give artificial respiration. Get a medical attention immediately.

Antidote : No specific antidote is known. Treat symptomatically.

Disposal Of Used Container : 1. The package shall be broken and buried away from habitation. 2. The used package shall not be left out side to prevent their re-used. 3. The package or surplus material and washing should be disposed of in safe manner so as prevent environmental or drinking water pollution.

Storage Conditions : 1. The package containing the herbicides shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly articles of food or shall be kept in separate almirahs under lock and key depending upon the quantity and nature of the herbicide. 2. The rooms or premises meant for storing the herbicides should be well built, dry, well-lit and ventilated and of sufficient dimension to avoid contamination by vapour.

Chemical Composition:

Bispyribac sodium (a.i.)	10.00 % w/v
Adjuvant-A(Polyalkylene oxide derivative of a synthetic alcohol)	31.90 % w/v
Adjuvant-B(Polyoxyethylene polyoxy Propylene synthetic alcohol ether	53.20 % w/v
Propylene glycol	2.00 % w/v
Aluminium Oxide C	1.50 % w/v
Silicon KS-506	1.00 % w/v
Stabilizer	1.00 % w/v
Water	Q.S. % w/v
Total:	**100.000% w/v**

Caution: Not to Be Used on Crops Other Than Specified on This Label/Leaflet.

English

नामी

बिस्पायरिबैक सोडियम १० प्रतिशत एस.सी.

(अंतर्प्रवाही खरपतवारनाशक)

बिस्पाइरिबैक सोडियम १०% एस.सी. धान फसल में उगने वाले विभिन्न प्रकार की घास, सेजेज व चौडी पत्ती वाले खरपतवार का नियंत्रण करता है । इसका प्रयोग खरपतवार उगने के बाद किया जाता है ।

उपयोग

फसल	कीट के नाम	प्रति हेक्टेयर मात्रा स. तत्त्व (ग्राम)	संरचना (मिली)	पानी की मात्रा (लिटर)	अंतिम छिडकाव तथा फसल काटने के बीच का अन्तर (दिन)	पुन:प्रवेश की अवधि प्रत्येक छिडकाव के बाद (घंटे)
धान (नर्सरी)	सावा, जंगली धान, ईशचोनम रुगोसम, मारफुला, छतरी वाला मौथा, फिबीस्टाइलिस, भांगरा, महानली, मोनो-कोरिया,अल्टरनैन्थेरा, स्माय	२०	२००	३००	प्रतीक्षा अवधि आवश्यक नहीं है क्योंकि छिड-काव एव कटाई के बीच की अवधि अधिक ७८ दिन है ।	
धान (रोपित)		२०-२५	२००-२५०	३००		
धान (सीधी बिजाई)		२०-२५	२००-२५०	३००		

उपयोग के लिए निर्देश : उपयोग के निर्देश : इस्तेमाल से पहले बोतल को अच्छी तरह हिलाये । उत्पाद की वंछित मात्रा को थोडे से पानी के साथ घोल तैयार कर लें । इसके बाद यह घोल शेष पानी में डालकर मिलायें । उपयोग विधी : खरपतवारनाशक के उपयोग से पहले वंछित क्षेत्र से पानी निकाल दें । उपचार के एक दिन बाद खेत को पुन: पानी से भर दे वा १० दिन तक पानी को उपचारित क्षेत्र में बनायें रखें ।

प्रयोग का समय : छिडकाव का समय : पौध शाला/रोपित धान के लिए – उचित समय है अधिकतर खरपतवार उगने के पश्चात अर्थात नर्सरी धान के लिए १०-१२ दिन बुआई के पश्चात एंव रोपित धान के लिए १०-१४ दिन रोपाई के पश्चात अवस्था में उपयोग करें । यह समय मिट्टी एंव वातावरणिय परिस्थितियो के अनुरुप भिन्न हो सकती है । सिधी बीजाई धान के लिए : छिडकाव का उचित समय बुआई के १५-२५ दिन पश्चात है । छिडकाव यंत्र : हाई वॉल्यूम स्प्रेयर जिसपर फ्लेट फॅन या फ्लड जेट नोजल लगे हुए यंत्र का प्रयोग करें ।

प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियां : १.खाद्य सामग्री और पशुओं के चारे से दूर रखें । २. त्वचा और आँखो को सम्पर्क से बचाये । ३.छिडकाव की वाष्प को सांस दवारा अन्दर जाने से बचायें । ४.छिडकाव के बाद दूषित कपडों को और शरीर के अंगो को अच्छी तरह धोएं । ५.छिडकाव के दौरान धुम्रपान, खाना व तम्बाकु इत्यादि का सेवन न करें ।

विष के लक्षण : कमजोरी, उल्टी, मुँह से लार आना व अतिसार ।

प्राथमिक चिकित्सा : १.यदि निगल जाये तो गले के पीछे गुदगुदी करके उलटी करायें । यह क्रिया तब तक दोहराते रहे जब तक उलटी दवारा निकला पदार्थ साफ न हो जाए । यदि मरीज बेहोश हो तो उलटी न करायें । २.यदि कपडे और त्वचा दूषित हो जाए तो दूषित कपडों उतार दे दूषित त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं । ३.यदि आँखे दूषित हो जाये तो उनको काफी मात्रा में साफ पानी में लगभग १०–१५ मिनट तक धोएं । ४.यदि सांस दवारा अन्दर गया हो तो रोगी को शुदध हवा में ले जायें ।

विष नाशक : कोई विशिष्ठ विषनिवारक नही है । लक्षणानुसार इलाज करें ।

खाली डिब्बों का निपटारा : १.खाली डिब्बों को उपयोग के बाद तोड कर आबादी से दूर जमीन में गाढ दें । २.उपयोग के बाद खाली डिब्बों को दुबारा उपयोग में न आए अतः बाहर खुला ना छोडे । ३. बची हुई खरपतवारनाशक, साधनो के धोवन का योग्य रीति से निपटारा करना चाहिए जिससे पीने का पानी तथा वातावरण दूषित होने का डर न रहें । **संग्रहण की शर्ते :** १.खरपतवारनाशक के डिब्बों को अलग कमरे अथवा जगह खाद्य पदार्थ रखे जाने वाले कमरे अथवा जगह से अलग अलमारीयों में ताला चाबी के अन्दर रखना चाहिए । २.जिस कमरे अथवा जगह में खरपतवारनाशक का भंडारण करना हो वह अच्छी बना हुआ, सूखा हवादार तथा प्रकाश युक्त व काफी लम्बा चौडा होना चाहिए जिससे खरपतवारनाशक की भाप से वातावरण दूषित नही हो ।

रासायनिक संरचना :

बिस्पाइरिबैक सोडियम (स.त.)	१०.००%भा/आ
एडजुवेंट–ए (पोलिअल्कलीन आक्साईड सिंथेटिक एल्कोहल का डेरिवेटिव	३१.९०%भा/आ
एडजुवेंट–बी (पोलीआक्सीथिलिन पोलिआक्सि प्रोप्लिन सिंथेटिक एल्कोहल ईथर)	५३.२०%भा/आ
प्रोपायलिन ग्लायकोल	२.००%भा/आ
एल्युमिनियम ऑक्साईड सी	१.५०%भा/आ
सिलिकान केएस–५०६	१.००%भा/आ
स्टेबिलाइजर	१.००%भा/आ
पानी	पर्याप्त मात्रा%भा/आ
योग	**१००.०००%भा/आ**

चेतावनी : इस लेबल/पत्रिका में निर्देशित किये गये फसलों के अलवा अन्य फसलों पर इस्तेमाल ना करें ।

Hindi

नामी

बिस्पायरीबॅक सोडियम १०% डब्ल्यू/व्ही एससी

(यंत्रणांतर्गत तणनाशक)

बिस्पायकरीबॅक सोडियम १०% एससी, उगवणीनंतरचे तणनाशक आहे भाताच्या रोपावरील गवत, सेजेस् आणि रुंद पानांच्या तणांचे प्रभावीपणे नियंत्रण करते.

शिफारस:

पीके	किटकीचे सामान्य नाव	मात्रा/हेक्टर स.घ. (किग्रा)	सं.घ. (मिली)	पाण्यात सौम्यी-करण (लीटर)	शेंवटची फवा-रणी आणि कापणीच्या दरम्यान दाबण्याचा कालावधी (दिवसामध्ये)	प्रत्येक फवारणी नंतर पुन्हा प्रवेश (तासांमध्ये)
भात (नर्सरी)	इचिनॉक्लाआ कुग्गाही,इचिनोक्ला कॉलम, सायपरस डिफॉर्मिस, सायप-नुसिरिया फिबॅरिस्टा-लिस्ट, सायपरस डिफॉर्मिस, फिम्ब्रि-स्टायलिस मिलिआडा, अॅक्लिप्टा आल्बा, लुडविगिया पार्विफ्लोरा, मोनोकोरिया व्हॅजीनालिस, अल्टरनेथेरा फिलॉक्सेरॉडीज, स्फेनोक्लसीआ झेलेन्सीया	२०	२००	३००	स्प्रे आणि कापणाच्या कालावधी ७८ दिवसां-पेक्षा कमी असल्याने प्रतीक्षा कालावधी रीडंडंट/ अनावश्याधिक आहे.	
भात (लावणी)		२०-२५	२००-२५०	३००		
भात (डायरेक्ट बियाणे)		२०-२५	२००-२५०	३००		

वापरण्याचे निर्देश: वापरण्यापूर्वी बाटली चांगली हलवून घ्या. तणनाशकाचे हवे असलेलेप्रमाण मोजून घ्या आणि थोड्या पाण्यात चांगलं एकत्र करा. उरलेलं पाणी सांगितल्याप्रमाणे ह्यात घाला. वापरण्याची पद्धत: तणनाशक फवारण्या आधी शेतातिल सर्व पाणी काढा. तणनाशकाच्या फवारणीनंतर शेत एका दिवसातलुडुब पाणी भरावे आणि हे पाणी कमीतकमी १० दिवस असावे. फवारणीसाठी सूचना: वाऱ्याच्या दिशेनेएकसारखेपणाने फवरणी करा.हे सर्व तणांपर्यंत पोहोचेल ह्याची खबरदारी घ्या.

फवारणीची वेळ: वाटिका/लावणी:वाटिका/ तांदूळासाठी उत्तम वेळ म्हणजे पेरणीनंतर १०–१२ दिवसात फवारणी करावी आणि लावणीच्या भातासाठी लावणीनंतर ३–४ तण फुटल्यानंतर माती आणि वातावरणाचा अंदाज घेऊन १०–१४ दिवसात फवारणी करावी. डायरेक्ट तांदूळ बियाणे: डायरेक्ट तांदूळ बियाणासाठी उत्तम वेळ म्हणजे पेरणीनंतर १५–२० दिवसात फवारणी करावी. फवारणी यंत्र: हाय व्हॉल्यू स्प्रे ज्याला फ्लॅट फॅन किंवा फ्लड जेट नोजल लावलेल्या यंत्राचा वापर करण्याची शिफारस करतो.

सावधिगिरी: १.अन्नपदार्थ आणि खाद्यापासून दूर ठेवा.२. डोळे आणि त्वचेशी संपर्क टाळा ३.फवाऱ्याचे तुषार श्वासातून आत घेणे टाळा. ४. वापरानंतरदूषीत कपडे आणि शरीराचे अवयव स्वच्छ धुवा.फवारणी करताना काहीही खाऊ, पिऊ किंवा चघळू नका, धूम्रपान करू नका.

विषबाधेची लक्षणे: अशक्तपणा, उलटचा होणे, अतिलाळस्त्राव, अतिसार.

प्रथमोपचार: १.जर गिळले असेल, तर मानेच्या मगे गुदगुल्या करून उलटी करण्याला उद्युक्त करा. रूग्णाला शुद्ध नसेल तर उलटी करण्याला उद्युक्त करू नका. २. जर कपडे आणि त्वचा दूषित झाली असेल तर, कपडे काढून टाका आणि पुरेसा साबण आणि पाणी घेऊन दूषित झालेली त्वचा स्वच्छ धुवा. ३.डोळे दूषित झाले असेतील तर, किमान १०–१५ मिनिटांसाठी पाण्याचे हबके मारा.४. जर. इन्हेल केले, रुग्णाला ताज्या वेतले हलवा. जर श्वास घेत नसेल तर, हवा येऊ द्या आणि कृत्रिम श्वासोश्वास दया. तावडतोब वैद्यकीय सल्ला घ्या.

प्रतिविष: विशिष्ट प्रतिविष नाही. लक्षणांनुसार उपचार करा.

वापरलेल्या कंटेनर्सची विल्हेवाट: १) पॅकेजेस् मोडून तोडून वसाहतीपासून दूर पुरून टाकावीत. २) वापरलेली पॅकेजेस् त्यांचा पुन्हा वापर टाळण्यासाठी इतस्त: फेकू नयेत. ३) पॅकेजेस् किंवा अधिकांश सामग्री आणि मशिन आणि कंटेनरमधील चिंथ्या यांची पर्यावरणाच्या आणि पाण्याच्या प्रदूषणाला प्रतिबंध होईल अशा सुरक्षित पद्धतीने विल्हेवाट लावी.

साठवण्याच्या अटी: १) तणनाशक असलेली पॅकेजस् इतर वस्तू साठवण्यासाठी असलेल्या खोल्या किंवा जागांपासून दूर वेगळ्या खोलीत किंवा जागेत साठवावीत किंवा तणनाशकाचे स्वरुप आणि राशी यावरअवलंबून कुलुप आणि किल्लीखली एका स्वतंत्र कपाटात ठेवावीत. २) तणनाशके साठवण्यासाठी असलेल्या खोल्या किंवा जागा चांगल्या बांधकामाच्या, कोरड्या, भरपूर प्रकाशाच्या आणि हवेशीर आणि पुरेशा आकारमानाच्या असाव्यात.

रासायनिक रचना:

बिस्पायकरीबॅक सोडियम (स.त.)	१०.००%भा/आ
ए–सहायक(पॉलीअल्कलीन ऑक्साइड सिंथेटीक ऐल्कोहोलचा डिरीव्हेटीव	३१.९०%भा/आ
बी–सहायक (पॉलीऑक्सीईथायलीन पोलिऑक्सि प्रोप्लिन सिंथेटिक ऐल्कोहल ईथर)	५३.२०% भा/आ
प्रोपायलिन ग्लायकोल	२.००% भा/आ
एल्युमिनियम ऑक्साइड सी	१.५०% भा/आ
सिलिकान केएस–५०६	१.००% भा/आ
स्टेबिलायझर	१.००% भा/आ
पाणी	पुरेशा प्रमाणात % भा/आ
एकूण	**१००.०००% भा/आ**

सावधान : या लेबल/माहितीपत्रकात नमूद केलेल्या व्यतिरिक्त अन्य पीकांवर वापरायचे नाही.

Marathi

નામી

બિસ્પાઇરિબેક સોડિયમ ૧૦% ડબ્લ્યુ/વી એસસી

(આંતરપ્રવાહી નીંદણનાશક)

બિસ્પાઇરિબેક સોડિયમ એસસી એક નીંદણ ઉગ્યા પછી વાપરવાનું નીંદણનાશક છે જે ડાંગરમાં ઘાસ, બેજુ વાળી જમીનમાં ઉગતા ઘાસ અને પહોળાં પાંદડાંવાળાં નીંદણની સામે અસરકારક છે.

ભલામણો:

પાક (કો)	જીવાતનું સામાન્ય નામ	માત્રા/હેક્ટર સ.ત. (ગ્રામ)	સં.ત્ર. (મિલી)	પાણીમાં પ્રમાણ (લીટર)	અંતિમ છંટકાવથી લણણી સુધીનો પ્રતીક્ષાગાળો (દિવસોમાં)	પ્રત્યેક છંટકાવ પછી પુનઃ પ્રવેશની મુદત (કલાકમાં)
ડાંગર (નર્સરી)	એકિનોકલોઆ ક્રુસગાલી, એકિનોકલોઆ કોલોનમ, ઇસચેમમ રુગોસમ, સાયપ-રસ ડિફોર્મિસ, સાયપ-નુસિરિયા ફિબરિસ્ટા-લિસ્ટ, સાયપરસ ડિફોર્મિસ, ફિમ્બ્રિ-સ્ટાયલિસ મિલિઆડ્સ, એક્લિપ્ટા આલ્બા, લુડવિજિઆપાર્વિફ્લોરા, મોનોકોરિયા વજિનાલિસ, અલ્ટરનેથેરા ફિલોક્સેરોઈડિસ, સ્ફેનોક્લિકિયા ઝેવેલાનિકા	૨૦	૨૦૦	૩૦૦	સ્પ્રે આપિ કાપણાચા કાલાવધી ૭૮ દિવસાં-પેક્ષા કમી અસલ્યાને પ્રતીક્ષા કાલાવધી રીડંડંટ/ અનાવશ્યાધિક આહે.	
ડાંગર (રોપેલી)		૨૦–૨૫	૨૦૦-૨૫૦	૩૦૦		
ડાંગર (સીધી વાવણી કરેલી)		૨૦–૨૫	૨૦૦-૨૫૦	૩૦૦		

વપરાશ સંબંધિત માર્ગદર્શન: વપરાશનું માર્ગદર્શન: વાપરતાં પહેલાં બૉટલને સારી રીતે હલાવો. નીંદણનાશકની આવશ્યક માત્રાને માપીને એને થોડા પાણીમાં સારી રીતે ભેળવો, પછી બાકી રહેલા પાણીના જથ્થાને સતત હલાવતાં રહીને ઉમેરી દો. છંટકાવની રીત: નીંદણનાશકનો છંટકાવ કરતાં પહેલાં ખેતરમાંથી પાણી કાઢી નાંખો. છંટકાવના એક દિવસ પછી ખેતરને ફરીથી પાણીથી ભરી દો અને છંટકાવ પછી પાણીને ૧૦ દિવસ સુધી ખેતરમાં ભરેલું રહેવા દો.

છંટકાવની રીત: પવનની દિશામાં એકસમાન રીતે છંટકાવ કરો. નીંદણોને સારી રીતે આવરી લીધાં છે એની ખાતરી કરી લો.

છંટકાવનો સમય: નર્સરી/ફેરરોપણી કરેલો: યોગ્ય સમય છે અધિકતમ નીંદણો ઉગ્યા પછી નર્સરી ડાંગર માટે રોપણી કર્યાના ૧૦–૧૨ દિવસ પછી અને ફેરરોપણી કરેલ ડાંગર માટે રોપણી કર્યાના ૧૦–૧૪ દિવસ પછી વાપરો, કે જ્યારે મોટા ભાગનાં નીંદણો ઉગી ચૂક્યા હોય જે માટી અને હવામાનની પરિસ્થિતિઓ અનુસાર ૩–૪ પાનનો તબક્કો હોઇ શકે છે. સીધી જ બી રોપેલી ડાંગર: સીધા જ બી રોપેલા ડાંગર માટે છંટકાવનો સમય છે રોપણીના ૧૫–૨૫ દિવસો પછી, છોડવાને રક્ષણ આપતું ઉપકરણ: હાઇ વૉલ્યુમ સ્પ્રે જેમ કે લેપસેક સ્પ્રેયર કે જેમાં ફ્લેટ ફૅન ફ્લડ જેટવાળું નાળચું એસેડલું હોય એવ વાપરવાની ભલામણ છે.

સાવચેતીઓ: ૧. ખાદ્યપદાર્થો અને પશુઓના ચારાથી દૂર રાખો. ૨. આંખો અને ત્વચા સાથેનો સંપર્કને ટાળો. ૩. છંટકાવના છાંટાને શ્વાસમાં લેવાનું ટાળો. ૪. છંટકાવ પછી ગયા પછી દૂષિત કપડાં અને શરીરના અંગોને સારી રીતે ધોઈ નાંખો. ૫. છંટકાવ કરતી વખતે ખાશો, પીશો, કંઈ પણ ચાવશો કે ધૂમ્રપાન કરશો નહીં.

ઝેર ચઢવાનાં લક્ષણો: નબળાઈ, ઊલટી, લાળ ટપકવી અને ઝાડા.

પ્રાથમિક ઉપચાર: ૧. જો પેટમાં જાય તો ગળામાં આંગળા નાંખીને ઊલટી કરાવો. જો દરદી બેભાન હોય તો ઊલટી કરાવશો નહીં. ૨. જો કપડાં અને ત્વચા દૂષિત થયાં હોય તો કપડાં કાઢી નાંખો અને ત્વચાને પુષ્કળ સાબુ અને પાણી વડે ધોઈ નાંખો. ૩. જો આંખમાં ગયું હોય તો આશરે ૧૦થી ૧૫ મિનિટ સુધી આંખોમાં પુષ્કળ પાણીની છાલક મારીને આંખોને ધુઓ. ૪. જો શ્વાસમાં જાય તો દરદીને તાજી હવામાં ખસેડો, જો શ્વાસ ના ચાલતો હોય તો શ્વસનમાર્ગ સાફ કરો અને કૃત્રિમ શ્વાસોચ્છ્વાસ આપો. તરત જ ડૉક્ટરી સારવાર આપો.

ઝેરનું મારણ: ઝેરનું કોઇ ચોક્કસ મારણ જાણમાં નથી. લક્ષણો અનુસાર સારવાર કરો.

વાપરેલાં પાત્રોનો નિકાલ: ૧. પૅકેજોને તોડી નાંખીને એને ઉંડાઇ જગ્યામાં દાટી દો. ૨. વાપરેલાં પૅકેજોનો ફરીથી ઉપયોગ ના થાય એ માટે એને બહાર રગડળતાં ના છોડશો. ૩. પૅકેજ અથવા વધેલા મટીરિયલ અને ધોવાણનો નિકાલ એવી સલામત રીતે કરવો કે જેથી પર્યાવરણ અથવા પીવાનું પાણી દૂષિત ના થાય.

સંગ્રહ કરવાની શરતો: ૧. નીંદણનાશકોના પૅકેજને અલગ જ ઓરડા અથવા જગ્યામાં, અન્ય ચીજવસ્તુઓ અને ખાસ કરીને ખાદ્યપદાર્થો રાખવાના ઓરડા અથવા જગ્યાથી દૂર અથવા નીંદણનાશકના જથ્થા અને પ્રકારના આધારે અલગ જ કબાટમાં તાળુચાવી વાસીને રાખવું. ૨. નીંદણનાશકોને સંઘરવાની ઓરડો મજબૂત, સૂકો, હવાઉજાસવાળો અને એમાંથી નીકળતી બાષ્પથી દૂષિત ના થાય એ માટે પૂરતો મોકળો હોવો જોઇએ.

રાસાયણિક સંયોજન:

બિસ્પાઇરિબેક સોડિયમ (સ.ત.)	૧૦.૦૦% વ/વ
સહયોગીપદાર્થ–એ (પૉલીઆલ્કિલીન ઑક્સાઇડ ડીરાઇવેટિવ ઑફ એ સૅથિટિક આલ્કોહૉલ)	૩૧.૯૦% વ/વ
સહયોગી પદાર્થ–બી (પૉલીઆક્સિ– ૩૧.૯૦% વ/વ	
થાઇલીન પૉલીઓક્સિ પ્રોપીલીન સૅથિટિક	
આલ્કોહૉલ ઇથર	૫૩.૨૦%વ/વ
પ્રોપીલીન ગ્લાયકોલ	૨.૦૦% વ/વ
એલ્યુમિનિયમ ઑક્સાઇડ સી	૧.૫૦% વ/વ
સિલિકૉન કેએસ–૫૦૬	૧.૦૦% વ/વ
સ્ટેબિલાઇઝર	૧.૦૦% વ/વ
પાણી	ક્યુ. એસ.%વ/વ
કુલ	**૧૦૦.૦૦૦% વ/વ**

સાવચેતી: આ પત્રિકા/પુસ્તિકામાં જણાવેલા પાકોને છોડીને અન્ય પાકો પર આનો ઉપયોગ કરવો નહીં.

Gujarati

ਨਾਮੀ

ਬਿਸਪਾਈਰਿਬੈਕ ਸੋਡਿਅਮ ੧੦% ਡਬਲਯੂ/ਵੀ ਐਸ ਸੀ

ਅੰਤਰ ਪ੍ਰਵਾਹੀ ਨਦੀਨ ਨਾਸ਼ਕ

ਬਿਸਪਾਈਰਿਬੈਕ ਸੋਡਿਅਮ ੧੦% ਐਸ ਸੀ ਚਾਵਲ ਫਸਲ ਵਿੱਚ ਉੱਗਣ ਵਾਲੇ ਅਨੇਕਾ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਘਾਹ, ਸੈਜਿਸ ਅਤੇ ਚੌੜੇ ਪੱਤੇ ਵਾਲੇ ਨਦੀਨਾਂ ਦਾ ਨਿਯੰਤ੍ਰਣ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨਦੀਨ ਉੱਗਣ ਦੇ ਬਾਅਦ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

ਸੁਝਾਅ:

ਫਸਲਾਂ	ਕੀਟ ਦਾ ਨਾਮ	ਪ੍ਰਤਿ ਹੈਕਟੇਅਰ ਮਾਤ੍ਰਾ ਸ. ਤਤ੍ਵ (ਗ੍ਰਾਮ)	ਸੰਰਚਨਾ (ਮਿਲੀ)	ਪਾਣੀ ਦੀ ਮਾਤ੍ਰਾ (ਲਿਟਰ)	ਅਖਰੀ ਛਿੜਕਾਅ ਕਟਾਈ ਦਰਮਿਆਨ ਦਾ ਅੰਤਰ (ਦਿਨ)	ਮੁੜ ਦਾਖਲ ਹੋਣ ਦਾ ਸਮਾਂ ਹਰ ਛਿੜਕਾਅ ਦੇ ਬਾਦ (ਘੰਟੇ)
ਝੋਨਾ (ਨਰਸਰੀ)	ਸਾਂਵਾ, ਜੰਗਲੀ ਧਾਨ, ਈਸ਼ਚੀਨਮ ਰੂਗੋਸਮ, ਮਾਰਫੁਲਾ, ਛਤਰੀ ਵਾਲਾ ਮੌਥਾ, ਫਿਬੀਸ੍ਟਾਇਲਿਸ, ਭਾਗਰਾ, ਮਹਾਨਲੀ, ਮੋਨੋ-ਕੋਰਿਆ,ਅਲਟਰਨੈਂਥੇਰਾ, ਸਮਾਇ	੨੦	੨੦੦	੩੦੦	ਪ੍ਰਤੀਕਾ ਅਵਧਿ ਆਵਸ਼ਕ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਯੋਂਕਿ ਛਿਡ-ਕਾਰ ਏਵ ਕਟਾਈ ਕੇ ਬੀਚ ਕੀ ਅਵਧਿ ਅਧਿਕ ੭੮ ਦਿਨ ਹੈ ।	
ਝੋਨਾ (ਰੋਪਿਤ)		੨੦–੨੫	੨੦੦–੨੫੦	੩੦੦		
ਝੋਨਾ (ਸੀਧੀ ਬਿਜਾਈ)		੨੦–੨੫	੨੦੦–੨੫੦	੩੦੦		

ਵਰਤੋਂ ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼: ਇਸਤੇਮਾਲ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬੋਤਲ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਿਲਾਉ। ਉਤਪਾਦ ਦੀ ਚਾਹੀਦੀ ਮਾਤ੍ਰਾ ਨੂੰ ਥੋੜੇ ਜਿਹੇ ਪਾਣੀ ਦੇ ਨਾਲ ਘੋਲ ਤਿਆਰ ਕਰ ਲਵੋ। ਇਸ ਦੇ ਬਾਅਦ ਇਸ ਘੋਲ ਨੂੰ ਬਾਕੀ ਦੇ ਪਾਣੀ ਵਿੱਚ ਰਲਾਉ। ਵਰਤੋਂ ਦਾ ਢੰਗ: ਨਦੀਨ ਨਾਸ਼ਕ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਖੇਤ ਤੋਂ ਪਾਣੀ ਕੱਢ ਲਵੋ। ਉਪਚਾਰ ਦੇ ਇੱਕ ਦਿਨ ਬਾਅਦ ਖੇਤ ਨੂੰ ਦੁਬਾਰਾ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਭਰ ਦਿਉ ਅਤੇ ਘਟ ੧੦ ਦਿਨਾਂ ਤੱਕ ਪਾਣੀ ਨੂੰ ਉਪਚਾਰਿਤ ਖੇਤਰ ਵਿੱਚ ਬਣਾਈ ਰੱਖੋ। ਛਿੜਕ ਹਦਾਇਤ: ਹਵਾ ਦੀ ਦਿਸ਼ਾ ਵਿੱਚ ਸਮਾਨ ਰੂਪ ਨਾਲ ਛਿੜਕੋ। ਪੱਕਾ ਕਰੋ ਕਿ ਉਤਪਾਦ ਨਦੀਨਾਂ ਉਪਰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਿਆ ਹੈ।

ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਸਮਾਂ: ਨਰਸਰੀ/ਪਨੀਰੀ ਪੁੱਟਣਾ: ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਯੋਗ ਸਮਾਂ ਨਰਸਰੀ ਲਈ ਬੀਜਣ ਦੇ ਬਾਅਦ ੧੦-੧੨ ਦਿਨ ਅਤੇ ਪਨੀਰੀ ਪੁੱਟੇ ਚਾਵਲ ਲਈ ਬੀਜਣ ਦੇ ਬਾਅਦ ੧੦-੧੪ ਦਿਨ ਹਨ, ਜਦੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾਤਰ ਨਦੀਨਾਂ ਦਾ ਉਗਣਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਮਿੱਟੀ ਤੇ ਮੌਸਮ ਦੇ ਅਧਾਰ ਤੇ ੩-੪ ਪੱਤਿਆਂ ਦੀ ਅਵਸਥਾ ਵਿੱਚ ਹਨ। ਸਿੱਧੀ ਬਿਜਾਈ ਚਾਵਲ: ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਸਮਾਂ ਬਿਜਾਈ ਦੇ ੧੫-੨੫ ਦਿਨ ਬਾਅਦ ਹੈ। ਬੂਟਾ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਕਰਨ: ਹਾਈ ਵੌਲਿਯੂਮ ਸਪ੍ਰੇਅਰ, ਉਦਾਹਰਨ ਫਲੈਟ ਫੈਨ ਫਲੱਡ ਜੈਟ ਨੋਜ਼ਲ ਦੇ ਨਾਲ ਫਿਟ ਕਿੱਤੇ ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਦਾ ਸੁਝਾਅ ਹੈ।

ਸਾਵਧਾਨੀ: (੧) ਖਾਣ ਦੀ ਸਮੱਗਰੀ ਅਤੇ ਪਸ਼ੂ ਚਾਰੇ ਤੋਂ ਦੂਰ ਰੱਖੋ। (੨) ਚੂੰਚਾ ਅਤੇ ਅੱਖਾਂ ਨੂੰ ਸੰਪਰਕ ਤੋਂ ਬਚਾਉ। (੩) ਛਿੜਕਾਅ ਦੀ ਧੰਦ ਨੂੰ ਸਾਹ ਦੇ ਅੰਦਰ ਨਾ ਲਵੋ। (੪) ਛਿੜਕਾਅ ਦੇ ਬਾਅਦ ਦੂਸ਼ਿਤ ਕਪੜਿਆਂ ਅਤੇ ਸ਼ਰੀਰ ਦੇ ਅੰਗਾਂ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੋਵੋ। (੫) ਛਿੜਕਾਅ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਧੂਮਰਪਾਨ, ਖਾਣਾ ਅਤੇ ਤੰਬਾਕੂ ਦਾ ਸੇਵਨ ਨਾ ਕਰੋ।

ਵਿਸ਼ ਦੇ ਲੱਛਣ: ਕਮਜੋਰੀ, ਉਲਟੀ, ਲਾਰ ਆਉਣੀ ਅਤੇ ਦਸਤ।

ਮੁੱਢਲੀ ਸਹਾਇਤਾ: (੧) ਜੇ ਅੰਦਰ ਲੰਘਾਇਆ ਜਾਵੇ, ਤਾਂ ਗਲ਼ੇ ਦੇ ਪਿੱਛਲੇ ਹਿੱਸੇ ਤੇ ਕੁਰਕੁਰਾਹੀ ਕਰ ਕੇ ਉਲਟੀ ਕਰਵਾਉ। ਜੇ ਰੋਗੀ ਬੇਹੋਸ਼ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਲਟੀ ਕਰਵਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਨਾ ਕਰੋ। (੨) ਜੇ ਕਪੜੇ ਅਤੇ ਚੂੰਚਾ ਦੂਸ਼ਿਤ ਹੋ ਤਾਂ ਕਪੜੇ ਉਤਾਰੋ ਅਤੇ ਦੂਸ਼ਿਤ ਚੂੰਚਾ ਨੂੰ ਸਾਬਣ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੋਵੋ। (੩) ਜੇ ਅੱਖਾਂ ਦੂਸ਼ਿਤ ਹੋਣ ਤਾਂ ੧੦ ਤੋਂ ੧੫ ਮਿੰਟਾਂ ਲਈ ਸਾਫ਼ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਧੋਵੋ। (੪) ਜੇ ਸਾਹ ਦੇ ਅੰਦਰ ਲਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਤਾਂ ਮਰੀਜ਼ ਨੂੰ ਤਾਜੀ ਹਵਾ ਵਿੱਚ ਲਿਜਾਉ। ਜੇ ਸਾਹ ਨਹੀਂ ਲੈ ਰਿਹਾ ਹੈ